

श्रीगोदाष्टोत्तरशतनामस्तोत्रम्

Shri Goda Ashtottarashatanamastotram

sanskritdocuments.org

December 25, 2018

---

# Shri Goda Ashtottarashatanamastotram

श्रीगोदाष्टोत्तरशतनामस्तोत्रम्

## Sanskrit Document Information

---

Text title : godAShTottaraShatanAmastotram

File name : godAShTottaraShatanAmastotram.itx

Category : devii, nadI, aShTottaraShatanAma

Location : doc\_devii

Transliterated by : Karthik Raman karthik.raman at gmail.com

Proofread by : Karthik Raman karthik.raman at gmail.com

Latest update : November 29, 2018

Send corrections to : sanskrit@cheerful.com

---

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

**Please help to maintain respect for volunteer spirit.**

---

December 25, 2018

*sanskritdocuments.org*

---

---

# Shri Goda Ashtottarashatanamastotram

---

## श्रीगोदाष्टोत्तरशतनामस्तोत्रम्

---



ध्यानम् ।

शतमभमणि नीला चारुकल्हारुहस्ता  
स्तनभरनमिताङ्गी सान्द्रवात्सल्यसिन्धुः ।  
अलकविनिडिताभिः स्रग्भिराकृष्टनाथा  
विलसतु वृष्टि गोदा विष्णुयित्तात्मजा नः ॥

अथ स्तोत्रम् ।

श्रीरङ्गनायकी गोदा विष्णुयित्तात्मजा सती ।  
गोपीविषधरा देवी भूसुता भोगशालिनी ॥ १ ॥

तुलसीकाननोद्भूता श्रीधन्विपुरवासिनी ।  
भट्टनाथप्रियकरी श्रीकृष्णलितभोगिनी ॥ २ ॥

आमुक्तमाव्यधा बाला रङ्गनाथप्रिया परा ।  
विश्वम्भरा कलालापा यतिराजसङ्घोदरी ॥ ३ ॥

कृष्णानुरक्ता सुभगा सुलभश्रीः सलक्षणा ।  
लक्ष्मीप्रियसम्प्री श्यामा दयाञ्चितदृगञ्जला ॥ ४ ॥

कृष्णुन्याविर्भवा रम्या धनुर्मासकृतव्रता ।  
यम्पकाशोक-पुत्राग-मालती-विलसत्-कथा ॥ ५ ॥

आकारत्रयसम्पन्ना नारायणपदाश्रिता ।  
श्रीमदष्टाक्षरीमन्त्र-राजस्थित-मनोरथा ॥ ६ ॥

भोक्षप्रदाननिपुणा मनुस्ताधिदेवता ।  
ब्रह्मण्या लोकजननी वीलामानुषरूपिणी ॥ ७ ॥



ब्रह्मज्ञानप्रदा माया सञ्चिदानन्दविग्रहा ।  
महापतिव्रता विष्णुगुणकीर्तनलुपा ॥ ८ ॥

प्रपन्नार्तिहरा नित्या वेदसौधविडारिणी ।  
 श्रीरङ्गनाथमाशिःक्यमञ्जरी मञ्जुभाषिणी ॥ ८ ॥  
 पद्मप्रिया पद्मलस्ता वेदान्तद्रयभोगिनी ।  
 सुप्रसन्ना भगवती श्रीजनार्दनदीपिका ॥ १० ॥  
 सुगन्धवयवा चारुरङ्गमङ्गलदीपिका ।  
 ध्वजवज्राङ्कुशाब्जाङ्कु-मृदुपाद-लताञ्जिता ॥ ११ ॥  
 तारकाकारनभरा प्रवालमृदुलाङ्गुली ।  
 कूर्मोपमेय-पादोर्ध्वभागा शोभनपाषिर्लिका ॥ १२ ॥  
 वेदार्थभावतत्त्वज्ञा लोकाराध्याङ्घ्रिपङ्कजा ।  
 आनन्दबुद्धुदाकार-सुगुल्फा परमाङ्गुका ॥ १३ ॥  
 तेजःश्रियोज्ज्वलधृतपादाङ्गुलि-सुभूषिता ।  
 मीनकेतन-तूणीर-चारुजङ्घा-विराजिता ॥ १४ ॥  
 ककुद्भ्रजानुयुग्माढ्या स्वर्णरम्भाभसङ्घिका ।  
 विशालजघना पीनसुश्रोणी मणिमेभवा ॥ १५ ॥  
 आनन्दसागरावर्त-गम्भीराम्भोज-नाभिका ।  
 भास्वद्वलित्रिका चारुजगत्पूर्णा-मडोदरी ॥ १६ ॥  
 नववल्लीरोमराज्जु सुधाकुम्भायितस्तनी ।  
 कल्पमालानिभलुजा चन्द्रभाण्ड-नभाञ्जिता ॥ १७ ॥  
 सुप्रवाशाङ्गुलीन्यस्तमडारत्नाङ्गुलीयका ।  
 नवारुणप्रवालाम-पाण्डितेश-समञ्जिता ॥ १८ ॥  
 कम्बुकण्ठी सुच्युबुका भिम्भोष्ठी कुन्दन्तयुक् ।  
 कारुण्यरस-निष्यन्द-नेत्रद्रय-सुशोभिता ॥ १९ ॥  
 मुक्ताशुचिस्मिता चारुचाम्पेयनिभनासिका ।  
 दर्पणाकार-विपुल-कपोल-द्वितयाञ्जिता ॥ २० ॥  
 अनन्तार्क-प्रकाशोधम्भणि-ताटङ्कु-शोभिता ।  
 कोटिसूर्याग्निसङ्काश-नानामूषा-भूषिता ॥ २१ ॥  
 सुगन्धवदना सुभू अर्धचन्द्रललाटिका ।  
 पूर्णचन्द्रानना नीलकुटिलालकशोभिता ॥ २२ ॥

सौन्दर्यसीमा विलसत्-कस्तूरी-तिलकोज्ज्वला ।  
धगद्ध-गायमानोधन्मणि-सीमन्त-भूषणा ॥ २३ ॥  
जाज्वल्यमाल-सद्रत्न-दिव्ययूडावतंसका ।  
सूर्यार्धचन्द्र-विलसत्-भूषणाञ्चित-वेणिका ॥ २४ ॥  
अत्यर्कानल-तेजोधिमणि-कञ्चुकधारिणी ।  
सद्रत्नाञ्चितविद्योत-विद्युत्कुञ्जाम-शाटिका ॥ २५ ॥  
नानामणिगणिकाकीर्ण-हेमाङ्गदसुभूषिता ।  
कुङ्कुमागरु-कस्तूरी-दिव्यचन्दन-चर्यिता ॥ २६ ॥  
स्वोचितौज्ज्वल्य-विविध-विचित्र-मणि-ढारिणी ।  
असङ्ख्येय-सुभस्पर्श-सर्वातिशय-भूषणा ॥ २७ ॥  
मल्लिका-पारिजातादि दिव्यपुष्प-स्रगाञ्चिता ।  
श्रीरङ्गनिलया पूज्या दिव्यदेशसुशोभिता ॥ २८ ॥  
॥ इति श्रीगोदाष्टोत्तरशतनामस्तोत्रं सम्पूर्णम् ॥

Encoded and proofread by Karthik Raman karthik.raman at gmail.com

---

——  
*Shri Goda Ashtottarashatanamastotram*  
pdf was typeset on December 25, 2018  
——

Please send corrections to [sanskrit@cheerful.com](mailto:sanskrit@cheerful.com)

